- पीएसडी2 निर्देशों के अनुसार अन्य पक्ष के सेवाप्रदाताओं के लिए बैंक के ग्राहकों/खातों की सूचना देने के लिए ओपेन बैंकिंग परियोजना वर्ष 2019-20 के दौरान चार विदेश स्थित कार्यालयों यथा यूके, जर्मनी, एंटवेर्प एवं बहरीन में सफलतापूर्वक लागू की गई।
- वर्ष के दौरान आईएनडी एएस वित्तीय विवरणों का स्वचालन कार्य शुरू किया गया। आईएफआरएस आईएनडी एएस परियोजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यों में हमारे जोखिम विभाग द्वारा विकसित जोखिम मॉडल (पीडी/एलजीडी हेतु) का स्वचालन तथा ओएफएसएए के जरिए अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह के तुलन पत्रों का समेकन शामिल हैं।
- पूंजी का इष्टतम उपयोग करने और कुशल मानव संसाधनों के नियोजन के जरिए व्यय घटाने की कार्यनीति के रूप में विदेश स्थित कार्यालयों के लिए केंद्रीकृत बैक ऑफिस शुरू किया जा रहा है। प्रस्तावित मॉडल के अंतर्गत बैंक के नेटवर्क के भीतर भारतीय स्टेट बैंक के अपने/पट्टे पर लिए गए परिसर में और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह के सीधे नियंत्रण में बीपीओ होगा। लेनदेन करने से जुड़े समस्त कार्य बीपीओ करेगा और डेटा एंट्री आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा की जाएगी। चेकर/आथराइजर के कार्य बैंक के अधिकारियों द्वारा किए जाएंगे।

3. वाणिज्यिक ग्राहक समूह (सीसीजी)

क. वाणिज्यिक ग्राहक

प्रबंध निदेशक वाणिज्यिक ग्राहक समूह वर्टिकल के प्रमुख हैं और दो उप प्रबंध निदेशक, पांच मुख्य महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधकों की अध्यक्षता वाले नौ वाणिज्यिक ग्राहक समूह क्षेत्रीय कार्यालय इस वर्टिकल की सहायता करते हैं। यह वर्टिकल चयनित बड़े कारपोरेट ग्राहकों की ऋण जरूरतों की पूर्ति करता है। इस खंड के कॉरपोरेट ग्राहकों की सभी जरूरतों की पूर्ति करना, इनसे जुड़े जोखिमों का प्रबंधन करना और संवृद्धि को बनाए रखना इस वर्टिकल का आदेश है। वाणिज्यिक ग्राहक समूह की कुल 48 शाखाएं हैं, जिनमें से एक ब्रोकरेज हाउस भागीदारों की जरूरतों की पूर्ति करती है एवं आईपीओ का प्रबंधन करती है।

मुख्य महाप्रबंधकों को समूह संबंध विकसित करने की स्वतंत्रता दी गई है। संपूर्ण समूह के जोखिम आकलन, आमदनी आदि बढ़ाने के कार्य को एक साथ संपन्न करने के लिए नई दृष्टि मिल सकेगी। बैंक ने ऋणान्वयन, बॉन्ड, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग एवं उद्देश्यपूर्ण/मिलेजुले वित्तपोषण के बड़े प्रस्तावों वाले सौदों में सहायता करने के लिए उद्देश्यपूर्ण वित्तपोषण के अनुभवी विशेषज्ञों की एक टीम बनाई है।

मार्च 2019 एवं मार्च 2020 के सीसीजी के स्तरों को नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

स्तर	वित्त वर्ष 2019	वित्त वर्ष 2020
गैर-खाद्य अग्रिम	400,909	409,589
कासा जमाराशियाँ (%)	24.73	26.12
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय	146.69	153.56
अन्य आय (एयूसीए वसूली से आय को छोड़कर)	2,619	2,707
टीपीएम से पूर्व परिचालन लाभ	32,478	32,699

आपके बैंक ने हाल ही में अपने व्यवसाय ग्राहकों के लिए योनो शुरू किया है। कॉरपोरेट के लिए लेनदेन बैंकिंग के साथ साथ व्यापार वित्त व्यवसाय के लिए उत्कृष्ट एवं प्रयोक्ता अनुकूल डिजिटल मंच प्रदान करने के लिए इसकी अभिकल्पना की गई है।

यह समूह अपने ग्राहकों को व्यापार वित्त एवं विदेशी मुद्रा व्यवसाय के लिए मजबूत मंच प्रदान कर रहा है। आपका बैंक सभी व्यापार वित्त लेनदेनों को प्रोसेस करने के लिए केंद्रीकृत प्रोसेसिंग कक्ष खोलने जा रहा है। इन केंद्रीकृत प्रोसेसिंग कक्षों से क) सुपुर्दगी-बेहतर टर्न एराउंड टाईम, सूचना प्रवाह एवं ग्राहक संतुष्टि ख) विनियामक अनुपालन एवं ग) रखरखाव में दक्षता बढ़ेगी।

आपके बैंक ने "प्राइसिंग एंड नालेज" नामक डिजिटल इंटरफेस भी शुरू किया है, जो मूल्यनिर्धारण का नया उपकरण है और जिससे वाणिज्यिक ग्राहक समूह के परिचालन पदाधिकारियों में संस्वीकृतिकर्ता समितियों को बैंक के कॉरपोरेट ऋणों के लिए आंकड़ों से उन्मुख वस्तुपरक मूल्यनिर्धारण करने की मदद मिलती है। इसे वाणिज्यिक ग्राहक समूह की सभी शाखाओं में शुरू किया गया है।

ख. परियोजना वित्त एवं पुनर्रचना कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई

आपके बैंक की परियोजना वित्त एवं पुनर्रचना कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई ऊर्जा, सड़क, पोर्ट, रेल एवं एयरपोर्ट जैसी अत्यधिक पूंजी वाले आधारिक संरचना की बड़ी परियोजनाओं के लिए निधियों का मूल्यांकन एवं व्यवस्था करता है। इनमें धातु, उर्वरक, सिमेंट, तेल एवं गैस जैसे औद्योगिक क्षेत्र की अन्य गैर-आधारिक अत्यधिक पूंजी वाली परियोजनाएं भी शामिल हैं। परियोजना वित्त एवं पुनर्रचना कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई अन्य विभागों को उनके बड़े मूल्य के मीयादी ऋण प्रस्तावों की जांच में भी सहायता प्रदान करती है। वित्तपोषण संरचना की नीति एवं विनियामक संरचना को मजबूत बनाने के लिए बैंक नई नीतियों, मॉडल रियायत करार एवं आधारिक संरचना वित्त क्षेत्र के भीतर आने वाली व्यापक समस्याओं पर भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ ऋणदाता के रूप में अपने विचार साझा करता है।

हाल ही में सरकार द्वारा विभिन्न सुधार एवं प्रोत्साहन के अलावा आधारिक संरचना में निवेश बढ़ाया गया, जिनके कारण अन्य क्षेत्रों के साथ साथ विशेषकर शहरी गैस संवितरण, सड़क, नवीकरणीय ऊर्जा उद्योगों में नई परियोजनाओं का अंतर्वाह हुआ। विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 6,500 आधारिक संरचनाओं में ₹ 102 लाख करोड़ के निवेश से राष्ट्रीय आधारिक संरचना पाईपलाइन शुरू किए जाने के कारण आधारिक संरचना क्षेत्र को और भी प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। कोविद-19 का प्रकोप निर्विवाद रूप से मानवीय त्रासदी है और इसका अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर असर होने की संभावना है। आपका बैंक कार्यान्वियन के अंतर्गत की सभी परियोजनाओं की गहन निगरानी कर रहा है और इसके असर लघु एवं मध्यम अवधि में पार पा लेने की आशा है।

"ओरिजिनेट टु डिस्ट्रीब्यूट" व्यवसाय मॉडल की ओर जाते हुए आपके बैंक की परियोजना वित्त एवं संरचना व्यवसाय इकाई में एक संरचना दल का गठन किया गया। इस दल से ईक्विटी पर आय को बनाए रखते हुए परियोजनाओं के वित्तीयन की संरचना के लिए ग्राहक अनुकूल संरचना समाधान उपलब्ध किए जाने की आशा है। आपके बैंक के ग्राहकों को संरचना समाधान उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न उद्योगों के अनुभवी व्यावसायियों की भर्ती की जा रही है।

हमारे बैंक द्वारा वित्तपोषित केंपेगौड़ा
अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, बेंगलुरु

हमारे बैंक द्वारा वित्तपोषित हिंदुस्तान उर्वरक एवं
रसायन लिमिटेड, सिंद्री यूरिया परियोजना

हमारे बैंक द्वारा वित्तपोषित
मेट्रो रेल परियोजना

हमारे बैंक द्वारा वित्तपोषित
पवन ऊर्जा परियोजना

4. तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन

1. पिछले चार वित्त वर्षों के दौरान एनपीए के उतार-चढ़ाव तथा अपलिखित खातों में हुई वसूली को नीचे दिखाया गया है:

(₹ करोड़ में)

	वित्त वर्ष 2017*	वित्त वर्ष 2018	वित्त वर्ष 2019	वित्त वर्ष 2020
सकल एनपीए	1,77,866	2,23,427	1,72,750	1,49,092
सकल एनपीए%	9.11%	10.91%	7.53%	6.15%
निवल एनपीए%	5.19%	5.73%	3.01%	2.23%
नई बढ़ोतरी + बकाया में बढ़ोतरी	1,15,932	1,00,287	39,740	54,510
नकद वसूली/अपग्रेडेशन	32,283	14,530	31,512	25,781
अपलेखन	27,757	40,196	58,905	52,387
एयूसीए (AUCA) में वसूली	3,963	5,333	8,345	9,250
पीसीआर (%)	61.53%	66.17%	78.73%	83.62%

*विलयन के बाद

2. विगत कुछ वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र की समग्र अलाभकारी आस्तियों में अत्यधिक वृद्धि हुई। दिसंबर 2019 की भारतीय रिज़र्व बैंक की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट के अनुसार क्षतिग्रस्त आस्ति भार से संभावित वसूली के संकेत के रूप में बैंकों की आस्ति गुणवत्ता में सुधार आया, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल अलाभकारी आस्तियों का अनुपात मार्च 2019 की स्थिति की तुलना में 30 सितंबर 2019 में 9.3% पर स्थिर रहा। इसमें सितंबर 2018 के 10.8% के सकल अलाभकारी आस्ति अनुपात की तुलना में सुधार आया। इसके अलावा, व्यापक आर्थिक आघात को सहने के लिए भारतीय बैंकों की सहनशीलता के दबाव परीक्षणों द्वारा किया गया, जिसके परिणाम यह सूचित करते हैं कि सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल अलाभकारी आस्तियाँ सितंबर 2019 की 9.3% की स्थिति से बढ़कर मार्च 2020 तक 9.9% रहीं। यह स्थूल